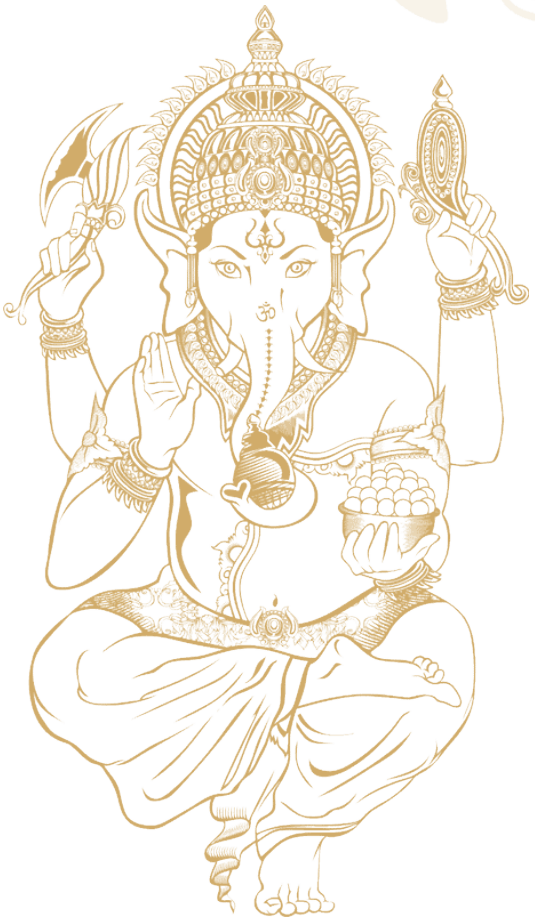

Mr.Adarsh raj

23 Nov 2023

08:00 PM

Katihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121011602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/11/2023**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**20:00:00 घंटे**
इष्ट	34:52:44 घटी
स्थान	**Katihar**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:33:00 उत्तर
रेखांश	87:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:20:16 घंटे
वेलान्तर	00:13:45 घंटे
साम्पातिक काल	00:29:30 घंटे
सूर्योदय	06:02:54 घंटे
सूर्यास्त	16:49:11 घंटे
दिनमान	10:46:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	06:50:27 वृश्चिक
लग्न के अंश	23:03:30 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	23:03:30	315:13:45	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	---
सूर्य			वृश्चि	06:50:27	01:00:37	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
चंद्र			मीन	18:16:30	14:05:51	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	सम राशि
मंगल		अ	वृश्चि	05:13:35	00:42:39	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध			वृश्चि	25:20:09	01:23:48	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	सम राशि
गुरु	व		मेष	13:41:54	00:06:50	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	22:49:46	01:08:44	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	सूर्य	नीच राशि
शनि			कुंभ	06:38:55	00:02:00	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मूलत्रिकोण
राहु			मेष	00:17:55	00:01:03	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	शत्रु राशि
केतु			तुला	00:17:55	00:01:03	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	सम राशि
हर्ष	व		मेष	26:27:57	00:02:26	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	केतु	---
नेप	व		मीन	00:44:48	00:00:26	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			मक	04:09:22	00:01:12	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			मीन	13:50:19	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:19

लग्न-चलित

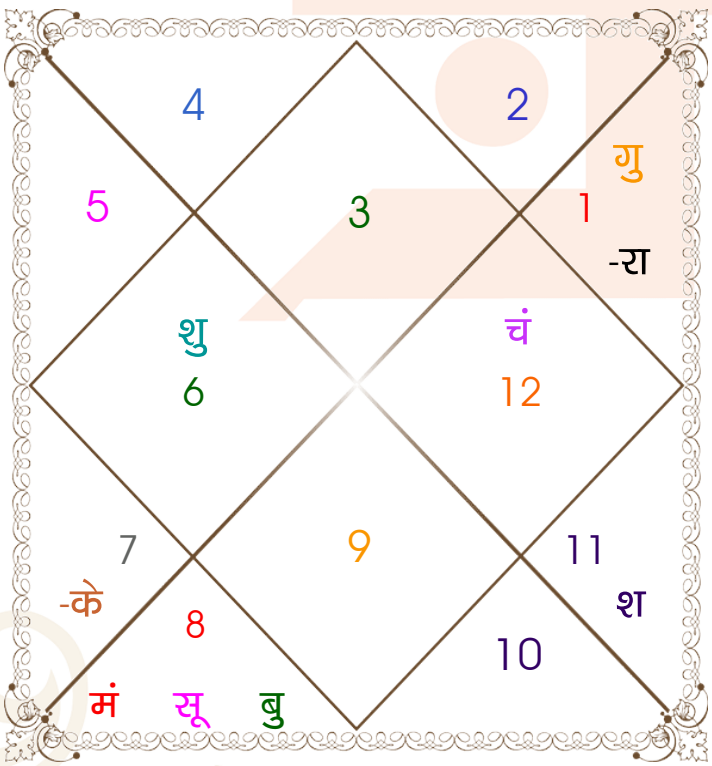

चन्द्र कुंडली

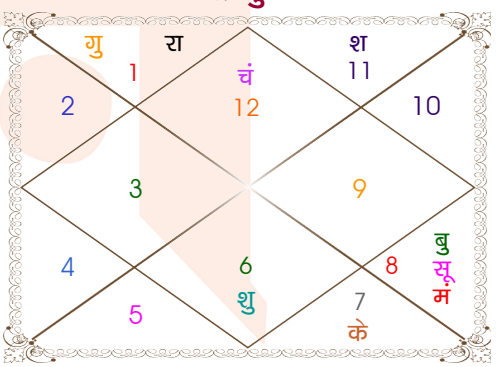

नवमांश कुंडली

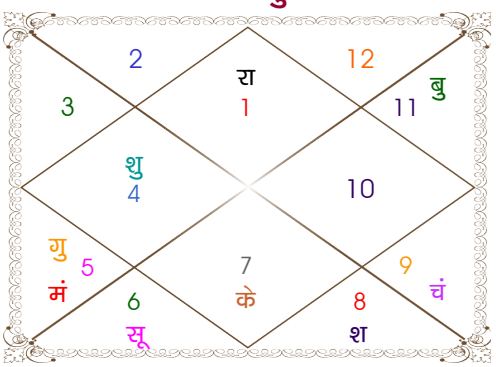

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 11 मास 12 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/11/2023		05/11/2038		04/11/2045		04/11/2065		05/11/2071	
05/11/2038		04/11/2045		04/11/2065		05/11/2071		04/11/2081	
बुध	02/04/2024	केतु	03/04/2039	शुक्र	06/03/2049	सूर्य	22/02/2066	चंद्र	04/09/2072
केतु	30/03/2025	शुक्र	02/06/2040	सूर्य	06/03/2050	चंद्र	24/08/2066	मंगल	05/04/2073
शुक्र	29/01/2028	सूर्य	08/10/2040	चंद्र	05/11/2051	मंगल	29/12/2066	राहु	05/10/2074
सूर्य	05/12/2028	चंद्र	09/05/2041	मंगल	04/01/2053	राहु	23/11/2067	गुरु	04/02/2076
चंद्र	06/05/2030	मंगल	05/10/2041	राहु	05/01/2056	गुरु	10/09/2068	शनि	05/09/2077
मंगल	03/05/2031	राहु	23/10/2042	गुरु	05/09/2058	शनि	23/08/2069	बुध	04/02/2079
राहु	20/11/2033	गुरु	29/09/2043	शनि	04/11/2061	बुध	30/06/2070	केतु	05/09/2079
गुरु	26/02/2036	शनि	07/11/2044	बुध	04/09/2064	केतु	05/11/2070	शुक्र	06/05/2081
शनि	05/11/2038	बुध	04/11/2045	केतु	04/11/2065	शुक्र	05/11/2071	सूर्य	04/11/2081

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
04/11/2081		04/11/2088		06/11/2106		06/11/2122		05/11/2141	
04/11/2088		06/11/2106		06/11/2122		05/11/2141		00/00/0000	
मंगल	03/04/2082	राहु	18/07/2091	गुरु	24/12/2108	शनि	08/11/2125	बुध	24/11/2143
राहु	21/04/2083	गुरु	11/12/2093	शनि	07/07/2111	बुध	19/07/2128		00/00/0000
गुरु	27/03/2084	शनि	17/10/2096	बुध	12/10/2113	केतु	27/08/2129		00/00/0000
शनि	06/05/2085	बुध	06/05/2099	केतु	18/09/2114	शुक्र	27/10/2132		00/00/0000
बुध	03/05/2086	केतु	25/05/2100	शुक्र	19/05/2117	सूर्य	09/10/2133		00/00/0000
केतु	29/09/2086	शुक्र	26/05/2103	सूर्य	07/03/2118	चंद्र	10/05/2135		00/00/0000
शुक्र	29/11/2087	सूर्य	18/04/2104	चंद्र	07/07/2119	मंगल	18/06/2136		00/00/0000
सूर्य	05/04/2088	चंद्र	18/10/2105	मंगल	12/06/2120	राहु	25/04/2139		00/00/0000
चंद्र	04/11/2088	मंगल	06/11/2106	राहु	06/11/2122	गुरु	05/11/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 11 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहते हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगे। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगे तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगे तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि के प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहते हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकते हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहते हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकते हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगा। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाते हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करते हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपनी पत्नी एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगे। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन संगिनी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य स्त्री के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाले तथा विचलित हो जाने वाले व्यक्ति हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकते हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगे। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकते हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते। आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं

परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।